



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 277]
No. 277]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 23, 1995/असाढ़ 2, 1917
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 23, 1995/ASADHA 2, 1917

संचार मंत्रालय
(दूरसंचार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1995

मा. का. नि. 516(अ):—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1985 (1985 का 13), की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय तार (पहला संशोधन) नियम, 1995 है।

(ii) ये 1 जुलाई, 1995 का प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 2 में, खंड (न) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात्:—

(नक). “अन्तरापृष्ठ युक्ति” से ऐसी युक्ति अभिप्रेत है जिसके द्वारा उस व्यक्ति के जिसे टेलीफोन

सेवा मंजूर की गई है, परिसर में आन्तरिक वायरिंग की वाह्य लाइन केवल तथा एक्सचेंज उपस्कर से अन्तरापृष्ठ किया जाता है।

3. उक्त नियमों के नियम 412 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“412. उपस्कर का प्रदाय और अनुरक्षण:—(1) उपनियम (2) में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, प्रभागीय इंजीनियर तार, विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए उपस्कर और साधित्र संस्थापित करेगा तथा अभिदाता द्वारा इन नियमों के अनुपालन के अधीन रहते हुए इन्हें अच्छी चालू हालत में रखेगा और जब आवश्यक हो तो युक्ति युक्त शीघ्रता से दूसरा साधित्र लगाएगा।

(2) तार प्राधिकारी, समय-समय पर राजपत्र में अधिसूचना द्वारा देश का ऐसा कोई भाग या क्षेत्र अधिसूचित कर सकेगा जहां अभिदाता या अभिवाता वर्ग से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह तार प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर यथाविविध मानक का अपना

टेलीफोन साधित और उस प्राधिकारी द्वारा ऐसे व्यक्ति के, जिसे टेलीफोन सेवा मंजूर की गई है, परिसर के प्रवेश बिन्दु के समीप उपलब्ध कराई गई अंतरापृष्ठ युक्ति के बिन्दु से आंतरिक वायरिंग की व्यवस्था, संस्थापन और अनुरक्षण करें।

परन्तु उपनियम (2) के प्रयोजन के लिए नियम 425, 426, 431, 432 और नियम 433 के उपबंध अंतरापृष्ठ युक्ति के बिन्दु तक लागू होंगे।

- (3) उपनियम (1) और उपनियम (2) के प्रयोजन के लिए भारतीय डाक और तार विभाग के पदधारी और कर्मकार परिसर के अधिभोगी को सूचना देने के पश्चात् संस्थापन और उपस्कर के निरीक्षण के लिए सभी सुसंगत समयों पर अभिदाता के परिसर में प्रवेश करने के हकदार होंगे।”

4. उक्त नियमों के नियम 434 के टिप्पण 3 और टिप्पण 4 में “अनुमति दी गई” शब्दों के स्थान पर “अनुमति दी गई/अपेक्षा की गई” शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 2-8/94-पी एच ए,]

एस राजगोपालन ज्येष्ठ उपमहानिदेशक

(सी एस) पदेन अपर सचिव,

भारत सरकार

स्पष्टीकारक ज्ञापन

यह स्कीम, चार महानगरों, मुम्बई, कलकत्ता, दिल्ली और भद्रास में, उपयुक्त नियम 412 के उपनियम (2) में के उपबंध के अनुसार 1 सितम्बर, 1995 से नए टेलीफोन कनेक्शनों के लिए कार्यान्वित की जाएगी।

पाद टिप्पण :—1-9-1984 तक यथासंशोधित मूल नियम, डाक तार मैन्युअल खण्ड 1, विधायी अधिनियमितियां, भाग 2, के छठे संस्करण में प्रकटित किए गए हैं, और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए—

1. सा.का.नि. 428 दिनांक 27-04-1985
2. सा.का.नि. 729 दिनांक 03-08-1985
3. सा.का.नि. 982 दिनांक 19-10-1985
4. सा.का.नि. 553(अ) दिनांक 27-03-1986
5. सा.का.नि. 314 दिनांक 26-04-1986
6. सा.का.नि. 953(अ) दिनांक 22-07-1986
7. सा.का.नि. 566 दिनांक 26-07-1986
8. सा.का.नि. 1121(अ) दिनांक 28-11-1986
9. सा.का.नि. 167(अ) दिनांक 28-11-1986
10. सा.का.नि. 1237(अ) दिनांक 28-11-1986
11. सा.का.नि. 112(अ) दिनांक 25-02-1987
12. सा.का.नि. 377(अ) दिनांक 09-04-1987
13. सा.का.नि. 674(अ) दिनांक 27-07-1987
14. सा.का.नि. 719(अ) दिनांक 18-08-1987
15. सा.का.नि. 837(अ) दिनांक 15-10-1987
16. सा.का.नि. 989(अ) दिनांक 17-12-1987

17. सा.का.नि. 337(अ) दिनांक 11-03-1988
18. सा.का.नि. 301(अ) दिनांक 21-03-1988
19. सा.का.नि. 626(अ) दिनांक 17-05-1988
20. सा.का.नि. 660(अ) दिनांक 30-05-1988
21. सा.का.नि. 693(अ) दिनांक 16-06-1988
22. सा.का.नि. 734(अ) दिनांक 24-06-1988
23. सा.का.नि. 606 दिनांक 14-08-1988
24. सा.का.नि. 812(अ) दिनांक 26-07-1988
25. सा.का.नि. 888(अ) दिनांक 01-09-1988
26. सा.का.नि. 985(अ) दिनांक 20-12-1990
27. सा.का.नि. 916(अ) दिनांक 09-09-1988
28. सा.का.नि. 1054(अ) दिनांक 02-11-1988
29. सा.का.नि. 179 दिनांक 16-02-1989
30. सा.का.नि. 358(अ) दिनांक 15-03-1989
31. सा.का.नि. 622(अ) दिनांक 14-06-1989
32. सा.का.नि. 865(अ) दिनांक 29-09-1989
33. सा.का.नि. 413(अ) दिनांक 29-03-1990
34. सा.का.नि. 574(अ) दिनांक 15-06-1990
35. सा.का.नि. 933(अ) दिनांक 03-12-1990
36. सा.का.नि. 74 दिनांक 17/18-01-1991
37. सा.का.नि. 560(अ) दिनांक 26-05-1992

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1995

G.S.R. 516(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951 namely :

1. (i) These rules may be called the Indian Telegraph (First amendment) Rules, 1995.

(ii) They shall come into force on the 1st day of July, 1995.

2. In Rule 2 of the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as the said rules, after clause (p), the following clause shall be inserted, namely :

(pa) “interface device” means a device through which internal wiring in the premises of a person to whom a telephone service has been sanctioned is interfaced with the external line, cable and exchange equipment.

3. For rule 412 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :

“412. Supply and maintenance of equipment.—
(1) Save as otherwise provided in sub-rule (2), the Divisional Engineer, Telegraphs, shall install and subject to the observance of these rules by the subscriber, maintain in goodworking order

the equipment and apparatus provided by the Department and when necessary, substituted different apparatus with all reasonable despatch.

- (2) The Telegraph Authority may, from time to time, by notification in the official Gazette, notify any part or area of the country where the subscriber or class of subscriber shall be required to provide, install and maintain his own telephone apparatus and internal wiring of the standard, as may be specified by the Telegraph Authority from time to time, from the point of interface device provided by that Authority near to the entry point to the premises of the person to whom a telephone service has been sanctioned.

Provided that for the purpose of sub-rule (2), the provisions of rules 425, 426, 431, 432 and 433 shall apply upto the point of interface device.

- (3) For the purpose of sub-rules (1) and (2), officials and workmen of the Indian Post and Telegraph Department shall be entitled after notice to the occupiers of the premises to enter the subscriber's premises at all reasonable times for the inspection of the installation and equipment."

4. In rule 434 of the said rule, in Notes 3 & 4, for the word "permitted" the words "permitted/required" shall be substituted.

[F. No. 2-8/94 PHA]

S. RAJAGOPALAN, Sr. Dy. Director
General (CS)

Ex. officio Addl. Secy.
to the Govt. of India

EXPLANATORY MEMORANDUM

The scheme will be implemented in four metro districts of Bombay, Calcutta, Delhi and Madras for new telephone connections w.e.f. 01-09-1995 as per provision contained in sub-rule (2) of rule 412 above.

FOOT NOTE : The principal rules, as amended upto 01-09-1984 have been published in the P & T

Manual, Vol. I, Legislative Enactments, PART II, Sixth Edition and these have been subsequently amended as under :

1. G.S.R. 428 dated 27-04-1985
2. G.S.R. 729 dated 03-08-1985
3. G.S.R. 982 daed 19-10-1985
4. G.S.R. 553(E) dated 27-03-1986
5. G.S.R. 314 dated 26-04-1986
6. G.S.R. 953(E) dated 22-07-1986
7. G.S.R. 566 dated 26-07-1986
8. G.S.R. 1121(E) dated 28-11-1986
9. G.S.R. 167(E) dated 28-11-1986
10. G.S.R. 1237(E) dated 28-11-1986
11. G.S.R. 112(E) dated 25-02-1987
12. G.S.R. 377(E) dated 09-04-1987
13. G.S.R. 674(E) dated 27-07-1987
14. G.S.R. 719(E) dated 18-08-1987
15. G.S.R. 837(E) dated 15-10-1987
16. G.S.R. 989(E) dated 17-12-1987
17. G.S.R. 337(E) dated 11-03-1988
18. G.S.R. 301(E) dated 21-03-1988
19. G.S.R. 626(E) dated 17-05-1988
20. G.S.R. 660(E) dated 30-05-1988
21. G.S.R. 693(E) dated 16-06-1988
22. G.S.R. 734(E) dated 24-06-1988
23. G.S.R. 606 dated 14-08-1988
24. G.S.R. 812(E) dated 26-07-1988
25. G.S.R. 888(E) dated 01-09-1988
26. G.S.R. 985(E) dated 20-12-1990
27. G.S.R. 916(E) dated 09-09-1988
28. G.S.R. 1054(E) dated 02-11-1988
29. G.S.R. 179 dated 16-02-1989
30. G.S.R. 358(E) dated 15-03-1989
31. G.S.R. 622(E) dated 14-06-1989
32. G.S.R. 865(E) dated 29-09-1989
33. G.S.R. 413(E) dated 29-03-1990
34. G.S.R. 574(E) dated 15-06-1990
35. G.S.R. 933(E) dated 03-12-1990
36. G.S.R. 74 dated 17/18-01-1991
37. G.S.R. 560(E) dated 26-05-1992

